त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

संस्थान डी ओ टी (020)
622271,625030,627545,627817,626436
रेलवे 210
छात्रावास - डी ओ टी (020)
630579, 626816
रेलवे 432, 424

फैक्स : 020-628677
ई-मेल : iricen@vsnl.com
टेलीग्राम : रेलपथ इंटरनेट : http://www.iricen.com

वर्ष - तृतीय | अंक - व्दितीय | अप्रैल-जून 1999

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) *संस्थान के उद्देश्य*
2) *रेल सप्ताह समारोह*
3) *विशेष उपलब्धि*
4) *मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार*
5) *इरकॉन इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम*
6) *रेल पथ मानक समिति की बैठक*
7) *प्रकाशन*
8) *राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक*
9) *पुल मानक समिति की बैठक*
10) *कंप्यूटर समन्वय समिति की बैठक*
11) *आइ एस ओ : 9001 का कार्यान्वयन*
12) *निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम*
13) *हमारे कुछ महत्वपूर्ण अतिथि व्याख्याता*
14) *स्वागत*
15) *आपके पत्र*

1 संस्थान के उद्देश्य

'ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन' के अलावा संस्थान के प्रमुख उद्देश्य निम्नानुसार हैं :-

- ❑ संस्थान व्दारा आयोजित प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ''ग्राहकों की आवश्यकता' को स्पष्ट रुप से परिभाषित करना।
- ❑ विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेवाओं में से एक (प्रशिक्षण कार्यक्रम) के अनुरुप, संस्थान की सेवा की परिमेय विशेषताओं का उल्लेख करना।
- ❑ प्रशिक्षण देने के लिए आधुनिकतम मूलभूत सुविधाओं (प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों) को उपलब्ध कराना।
- ❑ संकाय सदस्यों की तकनीकी एवं संचारगत निपुणता का निर्धारण करने, अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए संकाय सदस्यों की निपुणता का दर्जा बढ़ाने तथा निर्धारित गुणवत्ता के लिए अतिथि संकाय सदस्यों के चयन हेतु परिमेय मानदंड़ों का विकास करना।
- ❑ ग्राहक असंतुष्टि की पहचान करने, उनकी रोकथाम करने तथा उनका निवारण करने के लिए एक प्रणाली का विकास करना।
- ❑ संस्थान के समस्त कर्मचारियों के बीच गुणवत्ता के लिए प्रतिबध्दता की भावना का विकास करना।
- ❑ सेवा की गुणवत्ता के आवधिक निर्धारण तथा गुणवत्ता में लगातार

संपादकीय

तृतीय वर्ष का व्दितीय अंक आपके समक्ष है। प्रबंध सेवाएं निदेशालय, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) व्दारा जारी '' प्रशिक्षण प्रबंध नियमावली'' के परिशिष्ट IV के आलोक में इस सूचना पत्र की सामग्री के संकलन / संपादन का प्रयास किया गया है, साथ ही नियमावली के अनुच्छेद 4.6.0 में दी गई वितरण सूची के आधार पर यह पत्र आपके हाथों में पहुंचा है।

रेलवे सिविल इंजीनियरी तथा संबंधित निर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता पर आधारित प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संस्थान में आइ एस ओ - 9001 आधारित गुणवत्ता प्रणाली का कार्यान्वयन 21 जून से प्रारंभ किया गया है, जिसमें 20 प्रपत्र प्रारंभ से ही व्दिभाषी रूप में तैयार कराए गए हैं तथा ''गुणवत्ता नियमावली'' एवं ''गुणवत्ता प्रणाली की पद्धतियां'' का हिंदी अनुवाद जारी है, इससे मूल रूप से हिंदी में काम करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इस अंक से साहित्यिक खंड प्रारंभ करने का विचार था, परंतु स्तरीय रचनाओं के अभाव में यह खंड प्रारंभ नहीं हो पाया।

आपके पत्र नियमित रूप से प्राप्त हो रहे हैं, यह इस सूचना पत्र की सफलता का प्रमाण है, अत: इस पत्र को और उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

संरक्षक
विनोद कुमार
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
सुभाषचंद गुप्ता
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक-पुल 1

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
एन. एल. नाड़गौड़ा
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, मुख्य तक. सहा.

उन्नति के लिए एक प्रणाली का विकास कर उसे कार्यान्वित करना ।

2 रेल सप्ताह समारोह

संस्थान में उत्साहपूर्वक रेल सप्ताह समारोह मनाया गया । सप्ताह का मुख्य समारोह 16 अप्रैल को सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राध्यापक (प्रशिक्षण) श्री बृजेश कुमार ने रेल सप्ताह की प्रस्तावना प्रस्तुत की ।



(चित्र में रेल सप्ताह के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र का प्रसिध्द लावणी नृत्य प्रस्तुत करते हुए कु. पल्लवी सातपुते पुत्री/श्री. ए. डी. सातपुते, तकनीशियन)

इस अवसर पर इरिसेन के कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों तथा भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परीवीक्षार्थियों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का संचालन श्री विपिन पवार ने किया ।

तत्पश्चात निदेशक श्री विनोद कुमार ने उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्मचारियों को पुरस्कृत किया तथा अपने प्रेरक उद्‌बोधन में रेल प्रणाली में प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए यात्रियों की सुरक्षा तथा संरक्षा को सर्वोपरि बताया ।

प्राध्यापक - पुल I श्री सुभाषचंद गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

3 विशेष उपलब्धि

वर्ष 1998-99 के दौरान, संस्थान व्दारा बाहरी निकायों के लिए आयोजित पाठ्यक्रमों में शुल्क के रूप में रु. 9,38,900/- अर्जित कर कीर्तिमान स्थापित किया, यह एक विशेष उपलब्धि रही ।

4 मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 19 तथा 20 अप्रैल को मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार (सत्र क्र. 9852) आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय रेल के सभी मुख्य सामान्य इंजीनियरों ने भाग लिया । रेलवे बोर्ड के कार्यपालक निदेशक (भूमि प्रबंध) तथा कार्यपालक निदेशक (सिविल इंजीनियरी) सामान्य भी इस सेमिनार में उपस्थित थे । इस सेमिनार में रेलवे की भूमि का वाणिज्यिक उपयोग, भूमि प्रबंध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ ।

5 इरकॉन इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम

दि. 19 से 23 अप्रैल तक इरकॉन के इंजीनियरोंके लिए ''सर्वेक्षण'' पर एक सप्ताह का एक विशेष पाठ्यक्रम (सत्र क्र.9954) आयोजित किया गया, जिसमें इरकॉन के 20 इंजीनियरों ने भाग लिया । विगत कुछ वर्षों से इरिसेन इस प्रकार के विशेष पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है ।

6 रेल पथ मानक समिती की बैठक

दि. 4 तथा 5 मई को, 6 वीं असाधारण रेल पथ मानक समिति का सत्र शिमला में सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक श्री विनोद कुमार ने की । इस सत्र में, इरिसेन व्दारा पराध्वनिक दोष संसूचक (USFD) उपस्कर की सामान्य स्थिति तथा परीक्षण पद्धतियों में उन्नति के उद्‌देश्य से पराध्वनिक दोष संसूचक नियमावली में अनेक परिवर्तन सुझाए गए, ताकि परीक्षण को अधिक विश्वसनीय बनाया जा सके ।

7 प्रकाशन

''ट्रैक एंड स्ट्रक्चर्स डाइजेस्ट'' (जनवरी - मार्च 1999) की प्रतियां पर्याप्त संख्या में, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) स्तर तक प्रेषित की गई है, ताकि यह प्रकाशन मंडल के अन्य सभी इंजीनियरी अधिकारियों तक पहुंच जाए ।

संस्थान के निम्नलिखित प्रकाशन विक्रय हेतु उपलब्ध हैं :-

क्र. सं.	शीर्षक	मूल्य	अंतिम संशोधन
1)	पिक्टोग्राम्स फॉर रेलवे प्रिमाइसेस	45-00	दिसम्बर 95
2)	बेयरिंग्स फॉर रेलवे ब्रिजेस	40-00	1997
3)	ब्रिज इंस्पेक्शन एंड मेन्टेनेंस	30-00	दिसम्बर 96
4)	रिवर ट्रेनिंग एंड प्रोटेक्शन वर्क्स	30-00	मार्च 96
5)	वेल्डिंग टेक्नीक्स	12-00	मार्च 88
6)	स्पीड ऑन कर्व्स	10-00	1996
7)	लेआउट कैलक्यूलेशन्स	10-00	1992
8)	एल्युमिनोथर्मिक वेल्डिंग	10-00	1992
9)	रेल स्टील	10-00	जुलाई 98
10)	इम्प्रूविंग रनिंग ऑन कर्व्स	10-00	1997
11)	इम्प्रूविंग रनिंग ऑन प्वाइंट्स एंड क्रासिंग्स	10-00	सितंबर 97
12)	क्वालिटी कंट्रोल इन ट्रैक लिकिंग	10-00	1997
13)	केयर ऑफ रेल जॉइन्ट्स	05-00	नवम्बर 97
14)	एक्जीक्यूटिव प्रिंसिपल्स ऑफ थिरुवल्लुवर	05-00	1996
15)	वॉटर सप्लाई फॉर रेलवे इंजीनियर्स	10-00	1996
16)	फंडामेंटल्स ऑफ आर्किटेक्चर फॉर रेलवे सिविल इंजीनियर्स	15-00	1999
17)	इंस्पेक्शन एंड मेन्टेनेंस ऑफ स्टील गर्डर्स	25-00	1999
18)	डिरेलमेंट इन्वेस्टीगेशन	मुद्रणाधीन	1999

त्रैमासिक प्रकाशन

1. परमनेंट वे बुलेटिन
2. कंस्ट्रक्शन बुलेटिन
3. ट्रैक एंड स्ट्रक्चर डाइजेस्ट

8 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 63 वीं बैठक

दिनांक 18 मई को संस्थान में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 63 वीं बैठक सम्पन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता, समिति के अध्यक्ष, संस्थान के निदेशक श्री विनोद कुमार ने की । बैठक में दिनांक

31-3 -99 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निदेश दिए गए। बैठक का संचालन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल I श्री सुभाषचंद गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन राजभाषा सहायक ग्रेड I श्री विपिन पवार ने किया। इस बैठक में संकाय सदस्यों के अलावा अन्य पर्यवेक्षक भी उपस्थित थे।

9 पुल मानक समिति की बैठक

संस्थान में दिनांक 7 तथा 8 जून को पुल मानक समिति की असाधारण बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें टिकाऊपन के विचार पर आधारित कंक्रीट संरचनाओं के अभिकल्प एवं निर्माण से संबंधित खंडों के प्रावधानों पर विचार विमर्श किया गया।

10 कंप्यूटर समन्वय समिति की बैठक

संस्थान में दिनांक 14 तथा 15 जून को पुल मानक समिति की असाधारण बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में रेलों व्दारा वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों को नामित किया गया था। इस समिति ने इंजीनियरी विभाग में कंप्यूटरीकृत गतिविधियों के संबंध में, पद्धतियों के यौक्तिकीकरण (रेशनलाइजेशन) पर विस्तार से विचार विमर्श किया, साथ ही कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया को गति देने के संभावित उपायों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर संस्थान तथा विभिन्न रेलों व्दारा, हाल ही में विकसित सिविल इंजीनियरी साफ्टवेयरों का भी प्रदर्शन किया गया।

11 आइ एस ओ : 9001 का कार्यान्वयन

संस्थान के पाठ्यक्रमों के मानकीकरण तथा ग्राहकों (प्रशिक्षुओं) को सर्वोत्तम सेवा (प्रशिक्षण) देने के उद्देश्य से संस्थान में दिनांक 21 जून 99 से आइ एस ओ : 9001 का कार्यान्वयन प्रारंभ हो गया है। संस्थान व्दारा कार्यान्वयन की तिथि के पर्याप्त समय पूर्व, कुछ ही महीनों के प्रयासों में, 'गुणवत्ता नियमावली' तथा 'गुणवत्ता प्रणाली पद्धतियां' के प्रारूप तैयार किए गए तथा उन्हें अंतिम रूप दिया गया। आंतरिक तथा बाह्य गुणवत्ता लेखा परीक्षाओं के पश्चात, अप्रैल 2000 में संस्थान को आइ एस ओ : 9001 प्रमाणपत्र मिलने की आशा है।

12 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
9934	9-8-99	20-8-99	कंप्यूटर पाठ्यक्रम	भार. रेल इंजी. सेवा (परी.) 97 परीक्षा, ग्रेड I
9961	12-8-99	12-8-99	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक	वरि. प्रशा. श्रेणी
9935	23-8-99	27-8-99	ठेकें एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.वे.मा./प्र.वे.मा./ अ. प्रशा. श्रेणी
9936	30-8-99	10-9-99	कंप्यूटर पाठ्यक्रम	भार. रेल इंजी. सेवा (परी.) 97 परीक्षा, ग्रेड 2
9937	30-8-99	31-8-99	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार	वरि. प्रशा. श्रेणी.
9938	20-9-99	24-9-99	भूतकनीकी इंजीनियरी पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.वे.मा/प्र.वे.मा./ अ. प्रशा. श्रेणी
9957	4-10-99	22-10-99	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	प्र. वे. मा./अ.प्रशा. श्रेणी
9941	4-10-99	8-10-99	प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	भार. रेल याता सेवा (परी.)

13 हमारे कुछ महत्वपूर्ण अतिथि व्याख्याता

श्री एम.वी. बसरूर


(श्री एम. वी. बसरूर)

केवल 20 वर्ष की आयु में मुंबई विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद, श्री मनोहर वी. बसरूर ने जनवरी 1947 में भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा में प्रवेश किया तथा औध तिरहुत रेलवे (वर्तमान में पूर्वोत्तर रेल) पर कार्य प्रारंभ किया।

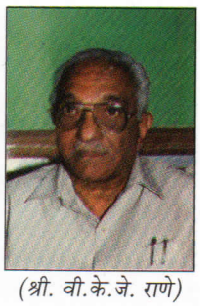
1953 में उत्तर रेल पर आगमन के बाद, अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के बाद आप मुख्य पुल इंजीनियर जैसे वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के पद पर पहुंचे। इस बीच आप चोपन में, रार्बट्संगज-गरवा बड़ी लाइन निर्माण परियोजना जैसे दुष्कर कार्य में छः वर्ष कार्यरत रहे। आपने समय-समय पर रेलवे बोर्ड में संयुक्त निदेशक तथा अपर निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया तथा 1977 में पश्चिम रेल पर मुख्य पुल इंजीनियर का पदभार ग्रहण किया। आपने यूरोप तथा यू.एस.ए. में सघन प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। आपने मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई सेन्ट्रल तथा महाप्रबंधक, पश्चिम रेल का पदभार भी संभाला है।

नवम्बर 1981 में आप रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंजीनियरी) बने तथा 36 वर्षों की सेवा के बाद फरवरी1983 में अध्यक्ष-रेलवे बोर्ड के पद से सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के पश्चात श्री बसरूर मुंबई तथा पुणे में सिविल इंजीनियरी परामर्शदाता के रूप में आज भी व्यस्त है। आप 9 वर्षों तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिज इंजीनियर्स के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं।

सभी प्रकार के खेलों, शास्त्रीय संगीत तथा ललित कलाओं में गहन रुचि रखने वाले श्री बसरूर ने सत्र क्र.9919 में ''नेतृत्व के गुण'' विषय पर महत्वपूर्ण एवं सार्थक व्याख्यान दिया, जो परीवीक्षार्थियों के लिए बहुत उपयोगी रहा।

श्री. वी.के.जे. राणे


(श्री. वी.के.जे. राणे)

सिविल इंजीनियरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त, भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री वी.के.जे. राणे ने 1955 में सहायक इंजीनियर, पश्चिम रेल के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। मंडल इंजीनियर, कार्यकारी इंजीनियरी, सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षक, उप मुख्य इंजीनियर जैसे पदों पर कार्य करने के बाद आपने 1975 में मंडल अधीक्षक (वर्तमान मंडल रेल प्रबंधक) मध्य रेल, भुसावल का पदभार ग्रहण किया। अपर मुख्य इंजीनियर के पद पर कार्य करने के बाद आपने 1977 में इरकॉन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया। वर्तमान में आप गिलकॉन कंपनी के अध्यक्ष है। सिविल इंजीनियरी के विविध क्षेत्रों में 46 वर्षों का गहन अनुभव रखने वाले श्री राणे ने विदेशों में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है तथा अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

कुशल प्रशासक एवं कर्मठ इंजीनियर के रूप में विख्यात श्री राणे ने सत्र क्र .1913 में ''परियोजना प्रबंधन'' पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

डॉ. बी.एस.के. एस. चोपड़ा



(डॉ. बी.एस.के. एस. चोपड़ा)

वी.जे. टी. आई., मुंबई से इंजीनियरी स्नातक (ऑनर्स), दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. तथा पुणे विश्वविद्यालय से व्यवसाय प्रबंधन में पी-एच.डी.की उपाधि प्राप्त डॉ. (कर्नल) चोपड़ा ने सेना में इंजीनियर के रूप में कार्य प्रारंभ किया। सेना में अनेक कठिन एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद आपने 1978 में समय-पूर्व सेवानिवृत्ति ग्रहण की।

पुणे में, भारत के प्रतिष्ठित एवं विख्यात सिम्बॉयसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की स्थापना करने तथा उसे पुष्पित-पल्लवित करने के बाद आपने टाइम्स रिसर्च फाउंडेशन के प्रधान का पदभार ग्रहण किया। वर्तमान में आप सिम्बॉयसिस इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, पुणे के मानद निदेशक है।

''बिजनेस एनवॉयरमेंट'' जैसी सुप्रसिध्द पुस्तक के लेखक डा. चोपड़ा वित्त, व्यापार, वाणिज्य तथा अन्य संगत विषयों के सिध्दहस्त वक्ता हैं।

आपने मुख्य सामान्य इंजीनियरों के सेमिनार (सत्र क्र. 9852 में ''सामान्य अर्थव्यवस्था'' पर विव्दतापूर्ण व्याख्यान दिया।)

14 स्वागत

श्री सुधीर कुमार जैन - संकाय सदस्य



(श्री. सुधीर कुमार जैन)

मालवीय क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से 1983 में बी.ई. (सिविल) ऑनर्स की उपाधि प्राप्त, भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री सुधीर कुमार जैन ने दि. 1-7-87 को पश्चिम रेल, अहमदाबाद में सहायक इंजीनियर (अनुरक्षण) के रूप में कार्य प्रारंभ किया। मंडल इंजीनियर, अजमेर, वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक (आमान परिवर्तन), दक्षिण पूर्व रेल, नागपुर, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) तथा उप मुख्य इंजीनियर (योजना) जैसे पदों पर कार्य करने के उपरांत आपने दि. 18-6-99 को संस्थान में प्राध्यापक - पुल - 2 - का कार्यभार ग्रहण किया है।

रेल पुलों के निर्माण, निरीक्षण तथा अनुरक्षण का 7 वर्षों का अनुभव रखने वाले श्री जैन ने अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की है।

इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

15 आपके पत्र



❑ आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक सूचना पत्र नियमित रूप से प्राप्त हो रहा है। इसमें प्रकाशित सभी न्यूज़ कालम सूचनापरक एवं उपयोगी हैं। इस प्रयास के लिए मेरा साधुवाद स्वीकार करें।

- आशुतोष मनुज
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी, दक्षिण रेल, प्रधान कार्यालय
चेन्नई - 600 003

❑ इरिसेन की ओर से प्रकाशित त्रैमासिक सूचना पत्र अक्तूबर - दिसम्बर, 1998 अंक मिला। मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई इस चतुर्थ अंक की सामग्रियों को पढ़कर तथा इरिसेन की गतिविधियों को जानकर। यह पत्र सर्वत: समृध्द और कलावरेण्य है। मेरी बधाई स्वीकार करें।

विश्वास है यह समाचार पत्र आपके संस्थान एवं भारतीय रेल के अन्य कार्यालयों के बीच उपयोगी एवं सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने तथा संस्थान की अन्य गतिविधियों के बारें में महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदान करने में अपनी उपादेयता सिद्ध करेगा। नूतन वर्ष में यह और आकर्षित ढंग से आयेगा, मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

- सिद्धेश्वर
सदस्य-रेलवे हिंदी सलाहकार समिति
प्रधान सम्पादक - राष्ट्रीय विचार पत्रिका
'बसेरा' पुरन्दरपुर, पटना - 800001

❑ आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्राप्त हुई। पत्रिका से नूतन जानकारियां प्राप्त हुई। धन्यवाद।

पत्रिका लघु रुप में होते हुए भी अपने लक्ष्य में सफल है। साहित्यिक खंड के प्रकाशन के पश्चात पत्रिका अपने आयायों को पूर्ण करेगी, ऐसी आशा है। अनेक शुभकामनाओं सहित।

- आर. के. पाण्डेय
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी
दक्षिण पूर्व रेलवे, बिलासपुर

❑ संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र जनवरी-मार्च 1999 प्राप्त हुआ, धन्यवाद।

जिस संस्थान में पूर्ण रूप से तकनीकी विषयों के प्रशिक्षण के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम तथा सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, उस संस्थान द्वारा हिंदी का निष्ठा के साथ प्रयोग यह साबित करता है कि संकल्प से सब कुछ संभव है। संस्थान के वर्ष 1999 के पाठ्यक्रम कैलेन्डर की हिंदी में प्रकाशित पुस्तिका इसका उदाहरण है। संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देने वाला आपका त्रैमासिक सूचना पत्र बहुत ही आकर्षक लगा। इसमें साहित्यिक रचनाएं शामिल किए जाने पर यह और भी लोकप्रिय होगा। सोलापुर मंडल के राजभाषा संगठन की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

- पांडुरंग मुगले
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी
मध्य रेल, सोलापुर

❑ आपका जनवरी-मार्च, 99 का त्रैमासिक सूचना-पत्र प्राप्त हुआ। मात्र चार पृष्ठों का यह अंक गागर में सागर की क्षमता रखता है। संस्थान के गणतंत्र दिवस तथा स्थापना दिवस समारोह की रिपोर्ट से लगा कि पुल, लोहा, स्लीपर जैसे स्थिर पदार्थों का अध्ययन-अध्यापन के साथ ही आपके संस्थान में चल रही सांस्कृतिक गतिविधियां सजीवता बनाए हुए हैं। उत्कृष्ट संपादन के लिए हार्दिक बधाई।

- विनोद कुमार जैन
अध्यक्ष - रेलवे भर्ती बोर्ड
भोपाल

❖❖❖

सुभाषचंद गुप्ता, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल 1, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एम.आर. एंड कंपनी, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 व्दारा मुद्रित